

## चाहत | By Rahul Sanwara

टूटे ना टूटे ना प्यार की ये डोरियां  
छूटे ना छूटे ना तेरी मेरी ये यारियां  
ना रहे ना रहे ना रहे अब कोई दूरियां  
चाहे हो चाहे हो चाहे हो जितनी मजबूरियां  
चाहत है यही तुझसे मेरे सांवरिया  
यूँ ही बनी रहे हम दोनों की नज़दीकियां  
टूटे ना .....

मिलती रहे मुझे तेरी कृपा ये जब तक है साँसों में सांस  
ये प्यार दिल में धड़कता रहे तेरा हर पल हो ये एहसास  
जो आये कभी कोई दुश्चारी मुझपे तो देना दिलासा मुझे  
यकी है तेरे होते होगी कभी ना कोई निराशा मुझे  
आये ना होंटों पे कभी मेरे ही ये सिसकियाँ  
टूटे ना .....

ये दिल तलबगार तेरा हमेशा तुझसे ही मेरा जहां  
तेरे ही दम से मेरे श्याम प्यारे हर पल मेरा खुशनुमा  
अगर तू ना होता तो होता कहाँ फिर मेरा वजूद यहाँ  
तुम्ही से है आबाद जीवन ये मेरा तुम्ही से है मस्त समां  
आती है कुंदन को नाम की तेरे ही हिचकियाँ  
टूटे ना .....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%a4-by-rahul-sanwara/>